R.M.M. Law-College.
Saharsa
Amrendra Kumar Trivedi.
part-Time Teacher sub-Evidence

(1)

मन या शरीर की दशा या शारीरिक का अस्तित्व दर्शित करने वाले तथ्य —

मन की कोई दशा जैसे आशय, ज्ञानसद्भाव उपेक्षा उतावलापन, किसी विशिष्ट व्यक्ति के प्रति वैमनस्य या सद्भावना दर्शित करने वाले अथवा शरीर की या शारीरिक संवेदना की किसी दशा का अस्तित्व दर्शित करने वाले तथ्य सुसंगत है जब कि ऐसी मन की या शरीर की या शारीरिक संवेदना की किसी ऐसी दशा का अस्तित्व विवाद्य या सुसंगत है।

वह तथ्य सुसंगत है वह मन की सुसंगत दशा के अस्तित्व को दर्शित करता है उस वक्त प्रश्नगत विशिष्ट विषय के बारे में अस्तित्व में है,

किसी अपराध के अभियुक्त व्यक्ति के विचारण में इस धारा के अर्थ के अंतर्गत उस अभियुक्त द्वारा किसी अपराध पहले किया जाना सुसंगत तथ्य भी होगा जबकि इससे पूर्व वह अभियुक्त पूर्व में कोई अपराधी दोषसिद्ध हो चुका हो,

Scanned with CamScanner

क ने किसी चीज की प्रत्यक्ष अन्वेषण के दौरान उसके पास से वह अज्ञात कारण लेकर निर्दिष्ट प्रदर्शित करते जाता था।

"क" पर किसी अन्य व्यक्ति को कूटकृत सिक्का कपटपूर्वक परिदान करने का अभियोग है जिसे वह परिदान करते समय जानता था कि कूटकृत है, यह तथ्य कि उसके परिदान के समय "क" के कब्जे में बहुत से कूटकृत सिक्के थे।

आपराधिक मामलों में अपराधिक मन या 'अपराधी आशय' को साबित करने के लिए यह आवश्यक होता है कि प्रायः प्रत्येक अभियोग में वह उस अपराध का आवश्यक अंग होता है जो अभियुक्त पर आरोपित किया जाता है। इसके विपरीत, सिविल मामलों में सामान्यतः प्रतिवादी की मानसिक दशा विवादित होती है। कपट, उपेक्षा, मिथ्या व्यपदेशन और विद्वेषपूर्ण अभियोजन पर आधारित वादों में प्रतिवादी द्वारा किये गये कार्यों में उसकी मानसिक दशा विवाद्यक तथ्य बन जाती है।